गज़ल

जो हिरसो हवा के बंदे हैं, वह सच्ची मुहब्बत क्या जाने
दिलदादा हैं जो दुनियां के, वह राजे हकीकत क्या जाने

1–वह नाम खुदा का तो लेते हैं,नफरत है खुदा के बन्दों से
बेकार इबादत है उनकी,वह तौरे इबादत क्या जाने

2– जो पाक रहे बेबाक रहे, जीनां तो उसी का जीना है
बाहेर उजले अन्दर काले, जीनें की सदाकत क्या जाने

3–अपनी ही खुशी और अपना सुख,
हो पेशे नजर जिनके हरदम
वह मेहरों वफा को क्या समझें, वह रस्में खिलवत क्या जाने

4– रूतबों के भूखे दुनिया में,जो कुछ भी कर दे कम समझो
पैसा ही खुदा है जिनका, वह नामें शराफत क्या जानें